दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 186 शुक्रवार 26 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

राष्ट्रपति का सम्बोधनः गणतंत्र का 75वां वर्ष देश की यात्रा में ऐतिहासिक पड़ाव

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, 'मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार! 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। जब मैं पीछे मुड़कर यह देखती हूं कि विपरीत

परिस्थितियों के बावजूद हमने कितनी लंबी यात्रा की है, तब मेरा हृदय गर्व से भर जाता है। हमारे गणतंत्र का 75वां वर्ष, कई अर्थों में, देश की यात्रा में एक ऐतिहासिक पड़ाव है।

उन्होंने कहा कि यह उत्सव मनाने का विशेष अवसर है, जैसे हमने स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे होने पर श्आजादी का अमृत महोत्सवश के दौरान अपने देश की अतुलनीय महानता और विविधतापूर्ण संस्कृति का उत्सव मनाया था। जब संसद ने ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक पारित किया तो हमारा देश, स्त्री–पुरुष समानता के आदर्श की ओर आगे बढ़ा। मेरा मानना है कि हमारी शक्ति वंदन अधिनियमश, महिला सशक्तीकरण का एक क्रांतिकारी माध्यम सिद्ध होगा। इससे हमारे शासन की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में भी बहुत सहायता मिलेगी। जब सामूहिक महत्व के मुद्दों पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, तब हमारी प्रशासनिक प्राथमिकताओं का जनता की आवश्यकताओं के साथ बेहतर सामंजस्य बनेगा।

उन्होंने कहा कि हमारा देश स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते हुए अमृतकाल के प्रारंभिक दौर से गुजर रहा है। यह एक युगांतकारी परिवर्तन का कालखंड है। हमें अपने देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सुनहरा अवसर मिला है। हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान, महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए मैं सभी देशवासियों से संविधान में निहित हमारे मूल कर्तव्यों का पालन करने का अनुरोध करूंगी। ये कर्तव्य, आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में, प्रत्येक नागरिक के आवश्यक दायित्व हैं। इस संदर्भ में मुझे महात्मा गांधी का स्मरण होता है। बापू ने ठीक ही कहा था, श्जिसने केवल अधिकारों को चाहा है, ऐसी कोई भी प्रजा उन्नत नहीं कर सकी है। केवल वही प्रजा उन्नत कर सकी है जिसने कर्तव्य का धार्मिक रूप से पालन किया है।'

उन्होंने कहा कि एक लंबे और कठिन संघर्ष के बाद 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश विदेशी शासन से मुक्त हो गया। लेकिन, उस समय भी देश में सुशासन तथा देशवासियों में निहित क्षमताओं और प्रतिभाओं को उन्मुक्त विस्तार देने के लिए, उपयुक्त मूलभूत सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को स्वरूप प्रदान करने का कार्य चल ही रहा था। संविधान सभा ने सुशासन के सभी पहलुओं पर लगभग तीन वर्ष तक विस्तृत चर्चा की और हमारे राष्ट्र के महान आधारभूत ग्रंथ, यानी भारत के संविधान की रचना की। आज के दिन हम सब देशवासी उन दूरदर्शी जन–नायकों और अधिकारियों का कृतज्ञता–पूर्वक स्मरण करते हैं जिन्होंने हमारे भव्य और प्रेरक संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था।

उन्होंने कहा, कल के दिन हम संविधान के प्रारंभ का उत्सव मनाएंगे। संविधान की प्रस्तावना 'हम, भारत के लोगश, इन शब्दों से शुरू होती है। ये शब्द, हमारे संविधान के मूल भाव अर्थात् लोकतंत्र को रेखांकित करते हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, लोकतंत्र की पश्चिमी अवधारणा से कहीं अधिक प्राचीन है। इसीलिए भारत को 'लोकतंत्र की जननी' कहा जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'मेरे प्यारे देशवासियो, गणतंत्र दिवस हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। जब हम उनमें से किसी एक बुनियादी सिद्धान्त पर चिंतन करते हैं, तो स्वाभाविक रूप से अन्य सभी सिद्धांतों पर भी हमारा ध्यान जाता है। संस्कृति, मान्यताओं और परम्पराओं की विविधता, हमारे लोकतंत्र का अंतर्निहित आयाम है। हमारी विविधता का यह उत्सव, समता पर आधारित है, जिसे न्याय द्वारा संरक्षित किया जाता है। यह सब स्वतंत्रता के वातावरण में ही संभव हो पाता है। इन मूल्यों और सिद्धांतों की समग्रता ही हमारी भारतीयता का आधार है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशवासियों, भारतीय बस्ती दैनिक के पाठकों, शुभेच्छुओं विज्ञापनदाताओं, वितरकों सहित जन–जन को मंगलकामना।– **सम्पादक**

अवकाश

गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय बस्ती दैनिक प्रेस एवं कार्यालय बंद रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

– व्यवस्थापक

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 'एक शाम शहीदों के नाम' विभूतियों को मिला सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा प्रेस क्लब सभागार में 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम का आयोजन समिति अध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि आजाद भारत की गणतंत्र यात्रा ने 74 वर्ष पूर्ण कर लिये। अमर शहीदों के सपनों को साकार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय गणतंत्र अपनी विविधता में निरन्तर चुनौतियों के बीच विकसित हो रहा है। 75 वां गणतंत्र दिवस हमारे अमर शहीदों के सपनों को साकार करने यह हब सबका लक्ष्य होना चाहिये।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि देश को आजाद कराने के लिये जिन लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया उन्हें सदैव याद रखना होगा।

उन्ही की प्रेरणा से भारतीय गणतंत्र लगातार विकसित हो रहा है।

वरिष्ठ साहित्यकार पं. चन्द्रबली मिश्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कहा कि हमे अमर बलिदानियों को सदैव याद रखना होगा। भारतीय गणतंत्र का दायित्व है कि हम उनके अधूरे स्वप्न को साकार करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुये समिति अध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी ने अमर शहीदों को नमन करते हुये कहा कि हमारा गणतंत्र लगातार विकसित हो रहा है।

इस अवसर पर समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा पुष्पा गिरी, इन्द्रावती गोस्वामी, विमला गौतम, राजू यादव, बसन्त कुमार को उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कौशल कुमार पाण्डेय, मुनिराम राजभर, दीनदयाल तिवारी, विवेक कुमार अग्रहरि, श्याम प्रकाश शर्मा, अफजल हुसेन अफजल, पेशकार मिश्र, अम्बिका यादव, रहमान अली रहमान, अशोक शुक्ल, रमेश गिरी, कैलाशनाथ दूबे, डा. नवीन श्रीवास्तव, वीरेन्द्र मिश्र, निर्मल सिंह, शिवेन्द्र सिंह, मो. अनीस, विवेक गिरोत्रा, विवेक मिश्र, विजय प्रकाश गोस्वामी, आजादपुरी, आशुतोष मिश्र, मनोज श्रीवास्तव, दिलीप पाण्डेय, लल्लू आरसी, एस.एन. शुक्ल, सन्तोष पाल, डा. आर.पी. सिंह, अनूप मिश्र, डा. अश्विनी सिंह, डा. अनिल चौधरी, हरिशंकर उपाध्याय आदि ने योगदान दिया।

बसपा के मण्डलीय सम्मेलन में बूथ स्तर के तैयारियों पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाजपार्टी का मण्डलीय कार्यकर्ता सम्मेलन प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पार्टी के मुख्य मण्डल प्रभारी सुधीर कुमार भारती ने कहा कि लोकसभा चुनाव अब दूर नहीं है। बूथ स्तर की सघन समीक्षा कर लिया जाय। कहा कि बसपा सुप्रीमों बहन मायावती ने स्पष्ट ऐलान कर दिया है कि पार्टी अपने बूते प्रदेश के सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी बढ गई है कि चुनाव को देखते हुये समय से तैयारियां पूरी कर ली जाय। सेक्टर, पोलिंग बूथों की तैयारियां पूरी कर ली जाय।

अध्यक्षता करते हुये मण्डल प्रभारी कल्पनाथ बाबू ने कहा कि बसपा ही समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढती है। बहन जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिये सभी कार्यकर्ताओं को पसीना बहाना होगा।

बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम ने तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दिया। बताया कि बूथ स्तर के तैयारियों की समीक्षा निरन्तर जारी है।

मण्डलीय कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से भगवानदास, सीताराम शास्त्री, राम सूरत चौधरी, लालचंद निषाद, दिनेश गौतम, धर्मदेव प्रियदर्शी, संजय धूसिया, राना डा. आलोक रंजन, ओम प्रकाश गौतम, राम चेत निराला, विनोद चौधरी, राना अम्बेडकर, रामकरन गौतम, भवानीभीख, राम सागर, शैलेन्द्र गौतम, नायब चौधरी, पवन कुमार गौतम, यशवंत गौतम, रामदास, आर. डी. प्रेमी, प्रमोद कुमार, दीपलाल के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

भाजपा के जुमलों से सावधान रहें मतदाता- राम प्रसाद चौधरी

-सपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में सत्ता परिवर्तन पर जोर

बस्ती। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुये समाजवादी पार्टी ने तैयारियां तेज कर दिया है और कार्यकर्ता सम्मेलनों का क्रम लगातार जारी है। इसी कड़ी में गुरूवार को गोटवा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं लोकसभा बस्ती के प्रभारी राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने नौजवानों, किसानों, व्यापारियों और समाज के सभी वर्गों को धोखा दिया। यह जुमलों वाली सरकार है। इससे सावधान रहें। कहा कि समाजवादी सोच से ही विकास का रास्ता निकलेगा। उन्होने कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन के लिये पूरी ताकत से जुट जाय।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बस्ती के लोग परिवर्तन का मन बना चुके हैं। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने वालों को मतदाता अपने वोट की ताकत से करारा जबाब देंगे। भाजपा ने सभी वर्गों को धोखा दिया है। इसे हम अपने मतदान की ताकत से परास्त करेंगे। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, पूर्व प्रमुख वीरेन्द्र कुमार चौधरी, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे' चन्द्र प्रकाश चौधरी, प्रमोद यादव आदि ने सपा सरकार के कार्यों की याद दिलाते हुये कहा कि भाजपा गरीबों, किसानों, नौजवानों का हक छीनकर पूंजीपतियों को मजबूत कर रही है। इनके षड्यंत्रों से सावधान रहना होगा।

कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से सोनू यादव, अशोक सिंह, सियाराम चौधरी, सुधाकर यादव, विजय यादव, जावेद पिण्डारी, प्रशान्त यादव, साहबराम यादव, राहुल यादव, बल्लू यादव, राघवराम यादव, बल्लू चौधरी, जान मोहम्मद, धर्मेन्द्र यादव, पवन यादव, सूबेदार चौधरी, राजेश यादव, पप्पू यादव, घनश्याम, अखिल यादव, पंकज निषाद, धर्मेन्द्र कुमार, मो. अकरम, गौरीशंकर यादव, ज्ञानदास मौर्य, रणजीत चौधरी, बलराम चौधरी, राम संवारे चौधरी, तूफानी यादव, रामसूरत यादव के साथ ही बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 जनवरी 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

गणतंत्र की यात्रा और चुनौतियां

गणतंत्र दिवस उस दिन की याद दिलाता है जब भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था। इसे 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा बनाया और अपनाया गया था। हमें गर्व होना चाहिए कि हम भारतीय हैं। हम उस देश के वासी है जिस देश में सब धर्मों को सम्मान दिया जाता है, किसी के साथ भेदभाव नहीं होता। हम उस देश में रहते है जिसका संविधान पुख्ता है, जो किसी धर्म के साथ अन्याय नहीं होने देता। 26जनवरी 1950 को भारत ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दे दी। संविधान की भावना के अनुरुप आज भारत एक प्रभुतासंपन्न गणतंत्रात्मक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी राज्य है। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। देश की स्वतंत्रता के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसके सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सवलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। पर सवाल यह है कि क्या आजादी के इन साढ़े छरू दशकों में हमने इन लक्ष्यों को हासिल कर लिया है? क्या समाज में व्याप्त छुआछुत और शोषण को मिटाया जा सका है? क्या हाशिए पर खड़े लोगों को उनका वाजिब अधिकार मिला है? क्या आर्थिक विषमता की खाई खत्म हुई है? क्या महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया बदला है? क्या देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा मजबूत हुई है? ढेरों ऐसे सवाल हैं जो आज भी मुंह बाए खड़े हैं। निरूसंदेह इन साढ़े छरू दशक में देश ने उल्लेखनीय उन्नति की है। कृषि की उत्पादकता बढ़ी है। उद्योग–धंधों का विस्तार हुआ है। शिक्षा, विज्ञान व संचार के क्षेत्र में अपार उन्नति हुई है। सामाजिक सुरक्षा व सेवाओं का दायरा बढ़ा है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि देश आज भी जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी और लैंगिक असमानता से मुक्त नहीं हो सका है। देश की एक बड़ी आबादी आज भी जीवन की मूलभूत सुविधाओं मसलन रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। देश के 84 अरबपतियों के पास 248 अरब डॉलर की संपत्ति है और 57 अमीर ऐसे भी हैं जिनके पास 70 फीसद गरीबों के बराबर संपत्ति है। 8 अरबपतियों के पास वैश्विक स्तर पर दुनिया की आधी आबादी के बराबर संपत्ति है। अगर धन का असमान वितरण इसी तरह जारी रहा तो भारतीय समाज का बिखरने का खतरा बढ़ सकता है। देश में करोड़ों लोग ऐसे भी हैं जिनके पास घर नहीं हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक ऐसे लोगों की तादाद तकरीबन तीन करोड़ के आसपास है। राहतकारी है कि सरकार ने सबको घर उपलब्ध कराने का क्रांतिकारी फैसला किया है। सामजिक और स्वास्थ्य मोर्चे पर स्थिति और भी चिंताजनक है। अन्य देशों की तुलना में कुपोषण के मामले में भारत की स्थिति चिंताजनक है। शिशु मृत्यु दर की हालात और भी भयावह है। भारत में असुरक्षित गर्भपात से हर दो घंटे में एक स्त्री की जान जाती है। आज की तारीख में गांवों में डॉक्टरों की कमी की वजह से 90 फीसद गर्भवती महिलाएं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए झोलाछाप डॉक्टरों पर निर्भर हैं। महिलाओं पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। दूसरी ओर लैंगिंक असमानता जस की तस बनी हुई है।

आज भी देश के माथे पर से बालश्रम का कलंक मिटा नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक देश में इस समय सवा करोड़ से अधिक बाल श्रमिक मौजूद हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी स्वीकार चुका है कि उसके पास बालश्रम के हजारों मामले दर्ज हैं। रोजगार के मामले में भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। भारत में हर साल तकरीबन सवा करोड़ शिक्षित युवा तैयार होते हैं। ये नौजवान रोजगार के लिए सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र सभी जगह अपनी किस्मत आजमाते हैं। लेकिन सिर्फ 37 फीसद ही कामयाब हो पाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी प्राथमिक स्कूलों में तीसरी कक्षा के केवल 19.3 फीसद बच्चे ही दूसरी कक्षा की किताब पढ़ सके। यही नहीं देश में सरकारी, स्थानीय निकाय और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों के तकरीबन 45 लाख पद रिक्त हैं। मुकदमों के निस्तारण में दशकों लग रहा है। पर्यावरण के मोर्चे पर भी हालात संतोषजनक नहीं हैं। एक अध्ययन के मुताबिक देश में सडक नियम का पालन न होने के कारण पिछले एक दशक में 13 लाख से अधिक लोग सडक हादसों में मारे गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि संसद भी अपने उत्तरदायित्वों के प्रति गंभीर नहीं है। देश महान तब बनेगा जब गणतंत्र के अधूरे सपने पूरे होंगे।

गणतंत्र की गौरवशाली विकास यात्रा

–रोहित माहेश्वरी–

गणतंत्र दिवस असल में उस महत्वपूर्ण क्षण का जश्न है जब 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था। दो साल से अधिक के मंथन के बाद 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने इसे अपनाया था, लेकिन इसे 26 जनवरी, 1950 को ही लागू किया गया। यही कारण है कि इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। पहली गणतंत्र दिवस परेड 1950 में दिल्ली के राजपथ पर अब कर्तव्य पथ आयोजित की गई थी। उस समय 50 मिनट तक चली इस परेड में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने ध्वजारोहण किया था। वहीं, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो इस समारोह के पहले मुख्य अतिथि थे।

भारत का संविधान 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया। उस दिन को हम संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं। उसके दो महीने बाद 26 जनवरी, 1950 से हमारा संविधान पूर्णतः प्रभावी हुआ। ऐसा सन 1930 के उस दिन को यादगार बनाने के लिए किया गया था जिस दिन भारतवासियों ने पूरी आजादी हासिल करने का संकल्प लिया था। सन 1930 से 1947 तक, हर साल 26 जनवरी को पूर्ण स्वराज दिवस के रूप में मनाया जाता था, अतः यह तय किया गया कि उसी दिन से संविधान को पूर्णतः प्रभावी बनाया जाए। सन 1930 में महात्मा गांधी ने देशवासियों को श्पूर्ण स्वराज दिवसश् मनाने का तरीका समझाया था। उन्होंने कहा था, "... चूंकि हम अपने ध्येय को अहिंसात्मक और सच्चे उपायों से ही प्राप्त करना चाहते हैं, और यह काम हम केवल आत्म–शुद्धि के द्वारा ही कर सकते हैं, इसलिए हमें चाहिए कि उस दिन हम अपना सारा समय यथाशक्ति कोई रचनात्मक कार्य करने में बिताएं।"

हम सबको एक सूत्र में बांधने वाली भारतीयता के गौरव का यह उत्सव है। सन 1950 में आज ही के दिन हम सब की इस गौरवशाली पहचान को औपचारिक स्वरूप प्राप्त हुआ था। उस दिन, भारत विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ और हम, भारत के लोगों ने एक ऐसा संविधान लागू किया जो हमारी सामूहिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। हमारे विविधतापूर्ण और सफल लोकतंत्र की सराहना पूरी दुनिया में की जाती है। हर साल गणतंत्र दिवस के दिन हम अपने गतिशील लोकतन्त्र तथा राष्ट्रीय एकता की भावना का उत्सव मनाते हैं।

गणतंत्र दिवस हम सभी को कई भावनाओं और जज्बों से सराबोर करता है। इस पावन अवसर पर हमें उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को याद करना चाहिए, जिनके हौंसलों और त्यागों के बिना ये पावन स्वतंत्रता का सूर्योदय कभी न होता। वो वीर सपूत जिन्होंने अंग्रेजों के सदियों के जुल्म के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया, जिन्होंने जेलों की यातनाएं सहीं, फांसी के तख्ते पर हंसते–हंसते चढ़े, और अपने प्राणों की आहुति देकर हमें यह अनमोल आजादी दिलाई। लेकिन आजादी मिलना ही काफी नहीं था, उसे संजोना भी अति आवश्यक था. और इसीलिए हमारे संविधान निर्माताओं ने वो दिव्य दस्तावेज रचा, जिसने हमारे गणतंत्र को मजबूत आधार दिया. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, राजेन्द्र प्रसाद जैसे महापुरुषों की सूझबूझ और दूरदर्शिता ने हमें संविधान का वो प्रकाशस्तंभ दिया, जो हमें लोकतंत्र के अंधकार से निकालकर न्याय, समानता और भाईचारे के उजाले में लाता है।

सारी दुनिया के समक्ष अपने पूर्ण वैभव के साथ संचलन करती भारतीय सैन्य शक्ति के प्रदर्शन की छवियों को यह हमारे मस्तिष्क में उकेरता है। यह हमें एक बार फिर अपने वर्दीधारी महिलाओं और पुरुषों की निस्वार्थ देशभक्ति को सलाम करने की प्रेरणा देता है। साथ ही यह हमें वीरता पुरस्कार प्राप्त जांबाज सैनिकों के साहसिक कृत्य और पराक्रम की गाथाओं से प्रेरित करता है। आज का दिन पीछे मुड़कर देखने और अपने गौरवशाली अतीत को स्मरण करने और उसे संजोने का भी है! महत्वपूर्ण रूप से आज का दिन आत्मनिरीक्षण का दिन भी है। भारतीय गणतंत्र का अर्थ क्या है? हमारे लिए इसके मायने क्या हैं? पिछले सात दशक के दौरान यह किस दिशा में आगे बढ़ा है? और आने वाले वर्षों में एक गणतंत्र के रूप में हमें क्या करने की आवश्यकता है?

आज के दिन संविधान सभा के उन सम्मानित सदस्यों को याद कीजिए जिन्होंने हमें अपने संविधान के जरिये एक ऐसा बुनियादी बल प्रदान किया, जिस पर हमें बहुत गर्व कर सकते हैं। आज का दिन इस पवित्र दस्तावेज के प्रति अपने विश्वास और प्रतिबद्धता को दोहराने का भी दिन है जिसने आज के भारत का निर्माण किया है। यद्यपि हमारे संविधान का कलेवर विस्तृत है क्योंकि उसमें, राज्य के काम–काज की व्यवस्था का भी विवरण है। लेकिन संविधान की संक्षिप्त प्रस्तावना में लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मार्गदर्शक सिद्धांत, सार–गर्भित रूप से उल्लिखित हैं। इन आदर्शों से उस ठोस आधारशिला का निर्माण हुआ है जिस पर हमारा भव्य गणतंत्र मजबूती से खड़ा है। इन्हीं जीवन–मूल्यों में हमारी सामूहिक विरासत भी परिलक्षित होती है।

प्रस्तावना की शुरुआत 'हम भारत के लोग..' से होती है। इसका मतलब है कि हम सब महत्वपूर्ण हैं। नागरिक होना गर्व की बात है। सब राष्ट्रीय हित में कार्य करेंगे तो देश मजबूत होगा। इसी प्रकार हमको मूल अधिकारों की भी जानकारी होनी चाहिए। संविधान ने छह मूल अधिकार प्रदान किये हैं जो इस प्रकार हैं– समता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, संस्कृति एवं शिक्षा का अधिकार और संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

बयालीसवें संविधान संशोधन से मूल कर्तव्य जोड़े गए। इसमें कहा गया कि प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा कि वह– संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों राष्ट्र ध्वज और रार्ष्ट्गान का आदर करे। स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शो को हृदय में संजोए रखे व उनका पालन करें।

भारत की प्रभुता एकता व अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाये रखें। देश की रक्षा करें और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। ऐसे ही और भी की कर्तव्य निश्चित किए गए। गणतंत्र दिवस पर इन सभी बातों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए, जिससे हम आदर्श नागरिक के रूप में राष्ट्र के विकास में अपना योगदान कर सकें। इन जीवन–मूल्यों को, मूल अधिकारों तथा नागरिकों के मूल कर्तव्यों के रूप में हमारे संविधान द्वारा बुनियादी महत्व प्रदान किया गया है।

अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों का नागरिकों द्वारा पालन करने से मूल अधिकारों के लिए समुचित वातावरण बनता है। आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करने के मूल कर्तव्य को निभाते हुए हमारे करोड़ों देशवासियों ने स्वच्छता अभियान से लेकर कोविड टीकाकरण अभियान को जन–आंदोलन का रूप दिया है। ऐसे अभियानों की सफलता का बहुत बड़ा श्रेय हमारे कर्तव्य–परायण नागरिकों को जाता है। मुझे विश्वास है कि हमारे देशवासी इसी कर्तव्य–निष्ठा के साथ राष्ट्र हित के अभियानों को अपनी सक्रिय भागीदारी से मजबूत बनाते रहेंगे।

भारत का विकास एक मजबूत संघराज्य के बिना संभव नहीं है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक मजबूत संघीय ढांचे का सपना देखा था जहां सभी राज्य और केंद्र विकास की यात्रा में बराबर के सहभागी हों। जहां कोई बड़ा न हो, कोई छोटा न हो. हमें उस मनःस्थिति को बदलना होगा जहां राज्यों का अस्तित्व दिल्ली की दया पर निर्भर हो। हमें यह मानना होगा कि हमारे देश के खजाने में संचित धन पर देश के सभी नागरिकों का अधिकार है। गणतंत्र के दिन हमें गौरवशाली इतिहास को याद करना चाहिए। क्योंकि गौरवशाली इतिहास के आधार पर ही हम स्वर्णिम भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

जिनकी शहादत से भारत गणतंत्र हुआ

-डा० राजेश कुमार शर्मा-

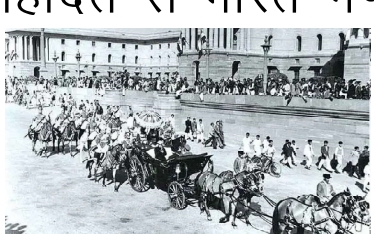

भारत के 75वें गणतन्त्र दिवस के इस पावन राष्ट्रीय पर्व पर मैं सभी महानुभावों को गणतन्त्र दिवस की हार्दिक बधाई देता हूॅ। गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक तिरंगे के ध्वजोतोलन की मंगलम बेला पर मै उन प्रातः स्मणीय अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा महापुरूषों, जिनके त्याग, तपस्या और शहादत के फलस्वरूप यह स्वर्णीम प्रतिफल हमें प्राप्त हुआ है, को हृदय से वंदन करते हुये राष्ट्रीय अस्मित के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को नमन करता हूॅ।

वस्तुतः आज ही के दिन हमारा देश पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित हुआ था और हमने अपने संविधान को अगीकृत और आत्मर्पित किया था। एक लम्बी परतंत्रता के बाद जिन महापुरूषों और अमर शहीदों के बलिदान, त्याग, तपस्या और संघर्ष के कारण आज का यह स्वर्णिम अवसर हमें प्राप्त हुआ उसकी अनमोल गौरव–गाथाएॅ हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों को सदैव अलंकृत करती है। एक बार पुनः भारतीय स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले उन वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूॅ जिन्होने न केवल हमें आजाद भारत की बागडोर सौंपी अपितु ऐसा समावेशी संविधान प्रदान किया जो हमें अधिकार सम्पन्न बनाने के साथ ही हमारे कर्तव्यों का भी बोध कराता है।

देश के स्वाधीनता संघर्ष में इस जनपद की अपनी एक अलग भूमिका रही है। लगभग 100 साल तक चले स्वाधीनता आन्देलन में शामिल इस परिक्षेत्र के क्रान्तिकारी नेताओं, सैनिकों, कृषकों आदि ने अपने देशभक्तिपूर्ण संघर्ष और निःस्वार्थ बलिदान से भारत के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। यहां के लोगों ने 1857 की क्रांति से लेकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन तक में देश की आजादी के लिए कुर्बानी दी है। गुलामी की बेड़ियों से देश को स्वतंत्र कराने की लड़ाई कब शुरू हुई बताना कठिन है, लेकिन गोस्वामी तुलसीदास ने जब ' 'पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं'' का उद्घोष किया तो उनके मानस में देश को स्वतंत्र कराने की ही कामना रही होगी। उन जैसे संतों ने ही हमारे अंदर स्वाभिमान की चिंगारी पैदा की, जो आगे चलकर स्वतंत्रता व स्वराज की मशाल बनकर उभरी और 1947 में हमने आजादी प्राप्त की और 26 जनवरी 1950 को एक पूर्ण लेकतांत्रिक गणराज्य का दर्जा प्राप्त किया। स्वाभिमान और स्वतंत्रता के बाद अब देश स्वावलंबन के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' काल में देश की गणतंत्र दिवस की 75वीं वर्षगांठ हमें स्वावलंबन की याद दिलाता है।

गणतंत्र दिवस की इस पावन बेला में मैं सभी देशवासियों को आह्वान करता हूॅ कि आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुये वे अपने ज्ञान का संवर्धन करे और अपने समाज व राष्ट्र को नयी ऊॅचाईयों पर ले जाने का प्रयास करें। नागरिकों को सही ज्ञान और दिशा बोध प्रदान करने तथा राष्ट्र के सर्वांगिण विकास का मूल आधार शिक्षा ही है। शिक्षित जनमानस ही वास्तव में राष्ट्र के ध्वजवाहक होते है। देश और प्रदेश की युवा पीढी अपनी समुन्नत ज्ञान को आत्मसात कर नैतिकता और सदाचरण की भावना के साथ पूरे मनोवेग से विद्यार्जन करते हुए सचेत, प्रबुद्ध और समर्पित नागरिक बने और समय के साथ विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करने हेतु स्वयं को सामर्थवान बनाकर एक समृद्ध, उन्नत और शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे। आइए आज इस राष्ट्रीय पर्व के पावन अवसर पर हम आजादी हासिल करने में इस क्षेत्र की भूमिका को याद करें और क्रांतिकारियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यहां के लोगों को उनपर गर्व करने का अवसर दें। हमसब के सार्थक और अथक परिश्रम से हमारा प्रदेश और राष्ट्र निरन्तर उन्नति के पथ पर अग्रसर होता रहे।

बालवीरों को याद रखना होगा

–आर.के. सिन्हा–

हर साल जनवरी का महीने आते ही देश में गणतंत्र दिवस की तैयारियां अपने चरम पर पहुंच जाती हैं। राजधानी दिल्ली में तो गणतंत्र दिवस की तैयारियों बाकी जगहों से अधिक बड़े स्तर पर होती हैं क्योंकि राजधानी दिल्ली में ही गणतंत्र दिवस परेड निकलती है। उस परेड का हिस्सा वे बालवीर भी होते हैं, जिन्हें देश उनके साहस, सूझबूझ और शौर्य के लिए सम्मानित कर रहा होता है। वे जब राष्ट्रपति जी को सलामी देते हुए आगे बढ़ते हैं, तो कर्तव्यपथ (पहले राजपथ) में उपस्थित जनसमूह उनका हर्षध्वनि से स्वागत करता है। गणतंत्र दिवस परेड का 1959 से हिस्सा हैं बालवीर पुरस्कार विजेता। यह कुछ साल से खुली जीप में निकलने लगे हैं। हालांकि लंबे समय तक यह हाथियों पर सवार होते थे। पर मेनका गांधी के विरोध के बाद इन्हें हाथियों पर बैठाने की परंपरा को रोक दिया गया।

बालवीर गणतंत्र दिवस परेड से दस दिन पहले राजधानी में आकर परेड की रिहर्सल में शामिल होते हैं। इसके अलावा, यह दोपहर और शाम को कभी राष्ट्रपति कभी, प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, कभी दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल वायुसेना नौसेना और थलसेनाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मिलते हैं। कभी लालकिला, पुरानाकिला, कुतुब मीनार, हुमायूँ का मकबरा जैसी ऐतिहासिक इमारतें और कभी फन एंड फूड विलेज जैसे मनोरंजक स्थल घूमते हैं। इन्हें राजधानी के फन एंड फूड विलेज के संस्थापक और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथी सरदार सेवा सिंह नामधारी बहुत सारे उपहार देते थे। उनके ना रहने के बाद भी बालवीरों का वहां सम्मानित किया जाता है।

गणतंत्र दिवस से कुछ दिन पहले तक तो यह बालवीर खबरों में रहते हैं। यह अपने इंटरव्यू देते हैं और फिर यह ओझल हो जाते हैं। यह स्थिति कोई आदर्श नहीं मानी जा सकती। कोशिश तो ऐसी होनी चाहिए कि जिन्हें बालवीर पुरस्कार मिला, उन्हें उनके राज्यों की सरकारें जीवन में आगे बढ़ने के हर संभव अवसर दें। हमें पुरस्कार सांकेतिक रूप से नहीं देने चाहिए। ईमानदार कोशिश होनी चाहिए ताकि बालवीरों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिलें। आमतौर पर इनका संबंध देश के सुदूर इलाकों में रहने वाले निर्धन परिवारों से ही होता है। इन्हें हर संभव प्रोत्साहन की दरकार होती है। यह सब देश के नौनिहाल होते हैं। इनके प्रति ठंडा रूख रखना गलत है।

अब तक विभिन्न राज्यों से करीब एक हजार से भी अधिक बच्चों को राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। वर्ष 2018 के बाद से भारत सरकार का बाल विकास मंत्रालय स्वयं इन बच्चों का चयन करता है अब यह राष्ट्रीय पुरस्कार वीरता श्रेणी के अतिरिक्त खेल, मनोरंजन, विज्ञान अनुसंधान, आदि अन्य अनेक श्रेणियों में भी बाल प्रतिभाओं को दिए जाने लगे हैं। अब देश में कितने लोगों को याद है कि पहला बालवीर पुरस्कार हरीश मेहरा नाम के बालक को मिला था। अब हरीश मेहरा करीब 80 साल के बुजुर्ग हो गए हैं। वे दिल्ली में ही रहते हैं। उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को एक बड़े हादसे का शिकार होने से बचाया था। वह तारीख थी 2 अक्तूबर,1957। स्थान 1959 से अब तक कोई बहुत साल गुजरे नहीं हैं कि हम बालवीरों का कोई डाटा ना बना सके या उन तक ना पहुंच सके। पर लगता यह है कि बालवीरों को 26 जनवरी को सम्मानित करने के बाद हमारे पास उनके लिए कोई योजना नहीं होती। हरीश मेहरा के बाद राजधानी के दीन दयाल उपाध्याय मार्ग(राउज एवेन्यू) पर स्थित सर्वोदय स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र फकीरचंद गुप्ता को भी बालवीर पुरस्कार मिला। उनकी सूझबूझ के चलते एक बड़ा रेल हादसा टल गया।

आखिर क्यों अकेले चल रही मायावती

–सुधा पई –

15 जनवरी को एक प्रेस कांफ्रैंस में अपने जन्मदिन पर मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा 'इंडिया' सहित किसी भी पार्टी या गठबंधन के साथ गठबंधन नहीं करेगी, और यू.पी. में 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। इसने पर्यवेक्षकों को यह तर्क देने के लिए प्रेरित किया है कि यू.पी. में त्रिकोणीय मुकाबले से भाजपा को फायदा होगा और इस बात से अवगत होकर मायावती ने भाजपा की मदद करने का फैसला किया है। हालांकि, मायावती एक कुशल रणनीतिकार हैं और उनके फैसले के पीछे के कारणों को समझना जरूरी है। ऐसा प्रतीत होता है कि दो कारक इसे चला रहे हैं। कई पर्यवेक्षकों की तरह, उन्हें लगता है कि भाजपा 2024 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता में लौटेगी क्योंकि 'इंडिया' गठबंधन को अपने ही भीतर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दूसरे, इस गणना और अपनी पार्टी की कमजोर स्थिति को देखते हुए, उन्हें लगता है कि अगर वह 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होती हैं, तो भाजपा और सपा उनके मुख्य दलित निर्वाचन क्षेत्र सहित शेष सामाजिक आधार को छीनने में सक्षम होंगी।

दीर्घकालिक कारण दुश्मनी से भरी प्रतिद्वंद्विता में निहित है जिसने यू.पी. में सपा और बसपा के बीच संबंधों को प्रेरित किया है। दोनों संकीर्ण सांप्रदायिक आधार वाली 'निचली जाति' की पार्टियां हैं जो एक–दूसरे से मिलती–जुलती हैं। यू.पी. की आबादी में अनुसूचित जाति (एस.सी.) की हिस्सेदारी करीब 20 फीसदी होने के कारण, बसपा ने मायावती के नेतृत्व में दलितों के साथ–साथ गैर–यादव ओ.बी.सी. वर्गों का समर्थन हासिल करने की कोशिश की है। इसी तरह, सपा ने पिछड़ों के सभी वर्गों को एकजुट करने और कुछ दलित समर्थन प्राप्त करने का प्रयास किया है। दोनों पार्टियां मुस्लिम समुदाय के साथ–साथ ऊंची जातियों के समर्थन के लिए भी प्रतिस्पर्धा करती हैं। अपने सामाजिक आधार को व्यापक बनाने के लिए सपा और बसपा के बीच यह प्रतिस्पर्धा 1990 के दशक में दिखाई दी, खासकर 1993 के विधानसभा चुनावों के बाद बने 'बहुजन गठबंधन' के टूटने के बाद। 1995 में 'गैस्ट हाऊस कांड' ने मायावती और मुलायम सिंह के बीच व्यक्तिगत दुश्मनी पैदा कर दी। 2000 के दशक में भाजपा के पुनरुद्धार ने दोनों दलों के बीच प्रतिद्वंद्विता को तेज कर दिया। 2014 के बाद से, भाजपा ने लगातार राष्ट्रीय और विधानसभा चुनावों में, क्रमशः छोटी गैर–जाटव अनुसूचित जातियों और गैर–यादव पिछड़ी जातियों का एक बड़ा हिस्सा बसपा और सपा के आधार से छीन लिया है।

पति की हत्या में आजीवन कारावास

संवाददाता—महराजगंज। ग्राम सभा नदुआ में पति की हत्या के मामले में पत्नी को दोषी पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश (प्रथम) पवन कुमार श्रीवास्तव ने धारा 302 भारतीय दंड संहिता के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सर्वेश्वर मणि त्रिपाठी ने बताया कि ओमप्रकाश पांडेय निवासी ग्राम सभा नदुआ, थाना कोतवाली, जनपद महाराजगंज ने थाना कोतवाली सदर में रिपोर्ट दर्ज कराया की मेरा पुत्र 30 वर्षीय शिव कुमार पांडे 25 जून 2018 की रात पत्नी अंबालिका पांडे के साथ कमरे में सोया था। रात में करीब 12 बजे अंबालिका ने शोर मचाया तो वह कमरे में पहुंचा तो उसके शिव कुमार पांडे के गले पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। बेटा बोल नहीं पा रहा था। उसे तत्काल जिला अस्पताल महराजगंज ले गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस सूचना पर मुकदमा अपराध संख्या 417ध2018 दर्ज कर विवेचक द्वारा विवेचना के बाद आरोपी संदीप पांडेय पुत्र ओमप्रकाश पांडेय एवं अंबालिका पांडे पत्नी स्वर्गीय शिवकुमार पांडे के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। 10 गवाहों को पेश कर सजा की मांग की। न्यायालय द्वारा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य एवं सबूतों के आधार पर अभियुक्त संदीप पांडेय को दोष मुक्त करते हुए मृतक की पत्नी को उक्त सजा सुनाई है।

कबड्डी और खो खो में स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम रही अव्वल

संवाददाता—श्रावस्ती। जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम में विकसित भारत संकल्प यात्रा एवं उत्तर प्रदेश दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिताओं का समापन गुरुवार को किया गया। इस मौके पर विजेता टीमों को सम्मानित किया गया। जिला क्रीड़ाधिकारी शिव कुमार यादव ने बताया कि खो खो बालक वर्ग का फाइनल मैच स्पोर्ट्स स्टेडियम ए और अलक्षेंद्र इंटर कालेज भिनगा ने जगह बनाई। फाइनल मैच में स्पोर्ट्स स्टेडियम ए की टीम ने अलक्षेंद्र इंटर कॉलेज को 8—6 हराते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। वहीं बालिका वर्ग में फाइनल मैच स्पोर्ट्स स्टेडियम और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भिनगा के बीच हुआ।

जिसमे स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम 4—3 से फाइनल का खिताब अपने नाम किया। कबड्डी बालक वर्ग का फाइनल मैच केंद्रीय विद्यालय और स्पोर्ट्स स्टेडियम के बीच हुआ। जिसमें स्टेडियम की टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह से कबड्डी बालिका वर्ग फाइनल नागरिक इंटर कॉलेज अमवा और पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय भयापुरवा के बीच हुआ। जिसमे पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय भयापुरवा की टीम 23—18 से जीत दर्ज की। जबकि बास्केटबॉल पुरुष फाइनल मैच में स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम ने स्टार क्लब को 28—13 से हराते हुए विजय हासिल की और बालिका वर्ग फाइनल मैच में अलक्षेंद्र इंटर कालेज की टीम ने शूटर की टीम को 17—12 से पराजित किया। वालीबॉल बालक वर्ग में अलक्षेंद्र इंटर कालेज और बालिका वर्ग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय भयापुरवा विजेता घोषित रही। फुटबॉल बालक वर्ग सेमीफाइनल में केजीएफ और स्पोर्ट्स स्टेडियम के बीच हुआ। जिसमे स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम 3—1 से विजेता रही। कार्यक्रम के समापन में श्रावस्ती विधायक राम फेरन पाण्डेय ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार और ट्राफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा महेश मिश्रा ओम, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश चन्द्र, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कृष्ण स्वरूप मिश्रा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत, फुटबाल संघ के सचिव जमील अहमद, एमए करियर के प्रबंधक डॉक्टर नजम अहमद, निर्णायक मोहम्मद मुस्लिम, फुटबॉल प्रशिक्षक आशीष कुमार, खेल प्रशिक्षक अलक्षेंद्र इंटर कॉलेज जाकिर हुसैन, यूपीएस गोठवा अनिल यादव, कंपोजिट गुलरा बंजारा, जागेश्वर सैनी खो—खो प्रशिक्षक, विवेक कुमार एथलेटिक्स प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण पाण्डेय कालेज संस्थापक की जयंती पर सम्मानित हुए शिक्षक, छात्र

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। श्रीकृष्ण पाण्डेय इंटर कालेज में गुरुवार को संस्थापक जयंती समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति द्वारा विद्यालय के 31 मेधावी छात्र छात्राओं और कर्मठ शिक्षकों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष डा० राकेश कुमार पाण्डेय प्रबंधक अजय कुमार पाण्डेय व उप प्रबंधक अक्षत पाण्डेय ने मां सरस्वती व संस्थापक स्व श्रीकृष्ण पाण्डेय के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रबंधक अजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि संस्थापक के सपनों के अनुरूप विद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए प्रयास करते रहना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। संस्थापक आजीवन शैक्षिक उन्नयन के लिए प्रयासरत रहे। अध्यक्ष डा०राकेश कुमार पाण्डेय ने संस्थापक के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए छात्र छात्राओं का खूब उत्साहवर्धन किया। कहा कि शिक्षा ही व्यक्तित्व के विकास का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। उपप्रबंधक अक्षत पाण्डेय ने कहा कि अच्छी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मानवता का विकास

है।यही जीवन में वास्तविक सफलता का मूलमंत्र भी है।

प्रधानाचार्य योगेश कुमार शुक्ल व डा सुरभि सिंह ने छात्र छात्राओं का आह्वान किया कि वे पूरे मनोयोग से शिक्षा प्राप्त कर अपनी प्रगति और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करें। शिक्षक देवेन्द्र तिवारी, गिरीश चन्द्र चौबे, सुनील त्रिवेदी, सुभाष चन्द्र चौधरी,बलबीर, हरीराम मिश्र ने भी संस्थापक जी के जीवन को अनुकरणीय बताया। छात्र छात्राओं ने सरस्वती वंदना,स्वागत गीत, देशभक्ति गीत सहित अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी।इस दौरान पढ़ाई के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 27 छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के शिक्षक कृष्ण कुमार, सुभाष चन्द्र चौधरी , सहयोगी संस्था सुभद्रा एकेडमी के प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र बहादुर पाल तथा अनुचर राजेश सिंह,रमेश चंद्र चौधरी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन कृष्ण कुमार ने किया। कार्यक्रम में अजय कुमार,श्रीमती विनीता, अन्नपूर्णा पाण्डेय,राजेन्द्र कुमार,जय सिंह, अमित त्रिपाठी,अनुराधा,प्रियंका, अमित कुमार,दीपमाला पाण्डेय,संजय पाण्डेय, राजेश मणि त्रिपाठी, अशोक पाण्डे, उमेश श्रीवास्तव, अखिलेश शुक्ल,संदीप कुमार पाण्डेय, अविनाश दूबे, ओमनारायण शुक्ल चन्द्र भूषण पाण्डेय, सीता समेत सभी शिक्षकों कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

आईटीएम के 20 छात्रों को मिला प्लेसमेंट

संवाददाता—महराजगंज। आईटीएम उच्च तकनीकि शिक्षण संस्थान चेहरी में गुरुवार को 20 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ। नामी कंपनी से आफर लेटे मिलते ही अभ्यर्थी खुशी से उछल पड़े।

नियोजन विभाग व अधिष्ठाता के प्रमुख अमित कुमार मिश्र एवं यांत्रिकी विभाग के विभागध्यक्ष श्याम सुंदर गुप्ता के अथक प्रयासों के बाद 20 से ज्यादा छात्रों का चयन महिका पैकेजिंग इंडिया लिमिटेड में हुआ। बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के चयनित छात्र अरविंद कुमार,रितेश कुमार पांडेय,शिव कुमार ओझा,सनी रंजन,प्रिंस जयसवाल,प्रेम सागर प्रजापति,गोपाल पासवान,शिव सागर चौधरी आदि छात्रों का प्लेसमेंट हुआ है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, गुरुजनों और संस्थान के निदेशक डॉ आर गोपाल के मार्गदर्शन को दिया। संस्थान के मीडिया प्रभारी व प्राचार्य विशेष शिक्षा संकाय अवनीश कुमार मिश्र ने बताया कि महिका पैकेजिंग इंडिया लिमिटेड अपने क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी है। इसका संस्थान में प्लेसमेंट ड्राइव के लिए आना संस्था के लिए गर्व की बात है। संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 20 छात्रों का चयन इस प्रतिष्ठित कंपनी में हुआ है। मंदी के बावजूद इस वर्ष संस्थान का प्लेसमेंट रिकॉर्ड काफी उत्साहजनक है और अब तक आधा दर्जन से अधिक कंपनिया संस्थान में प्लेसमेंट के लिए आ चुकी हैं। इनमें मुख्य रूप से ध्रुत वायर लिमिटेड ने संस्थान के 60 छात्रों को नौकरी दी थी। संस्थान के निदेशक डॉ आर गोपाल व आईटीएम ग्रुप के चेयरमैन विनय कुमार श्रीवास्तव ने प्लेसमेंट स्टूडेंट को बधाई ही। इस दौरान संतोष कुमार श्रीवास्तव, उप निदेशक डीके सिंह,कुलसचिव प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव, शहबाज अहमद, विभागाध्यक्ष वीके पटेल, सीओई अमित कौशल, आईटीआई प्राचार्य आरबी सिंह, डिप्लोमा प्राचार्य संजय कुमार, सहायक आचार्य शीतेश कुमार द्विवेदी, प्राचार्य धीरेंद्र प्रताप सिंह, सहायक आचार्य बबीता भास्कर, सहायक आचार्य आनंदिता सिंह, अभय चौधरी, सतीश कुमार, राहुल चौधरी, विशाल कुमार, रीना प्रजापति, सिस्टम एडमिन हरेंद्र मिश्र आदि मौजूद रहे।

कोहरे के चलते ट्रक से भिड़ी डबल डेकर बस मची चीखपुकार, हादसे में चार यात्री घायल

संवाददाता—बहराइच। जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की सुबह कोहरे के चलते बहराइच—लखीमपुर मार्ग पर डबल डेकर बस और ट्रक में आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया है। हरियाणा और बिहार के बीच चलने वाली एक डबल डेकर बस यात्रियों को लेकर लखीमपुर की ओर जा रही थी। इस दौरान कोहरे के चलते मोतीपुर थाना क्षेत्र में जालिम नगर चौकी के पास सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ंत हो गई। हादसे में बस में सवार महिलाओं समेत सात लोग घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी मोतीपुर में भर्ती करवाया गया है। हालांकि, कम घायलों को कुछ ही देर में अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी अरुण दिवेदी ने पुलिसकर्मियों के साथ दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने का काम किया। हादसे में खैरीघाट थाना क्षेत्र के नवाबबंगला निवासी बहोरीलाल (50), इसी थाना क्षेत्र के बासगढ़ी अरुनवा निवासी सुमित (40), लखीमपुर खीरी के धौरहरा थाना क्षेत्र के ठाकुरनपुरवा निवासी सुशीला (24) और ट्रक ड्राईवर नवासील (35) को चोट आई।

सीआरएस फंड से 33 विद्यालयों में डेस्क—बेंच संग स्मार्ट क्लास की सौगात

संवाददाता—महराजगंज। कारपोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत 33 और विद्यालयों की सूरत और सीरत बदलने वाली है। 22 विद्यालयों में स्टील का बेंच व डेस्क लगाया जाएगा। 11 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की सुविधा शुरू की जाएगी। सीएसआर के तहत हुडको कंपनी ने इन विद्यालयों का कायाकल्प करने का निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों का कायाकल्प करा रही है। महराजगंज में सरकारी फंड से करीब सभी विद्यालयों का कायाकल्प किया जा चुका है। इसके अलावा कुछ कंपनियों व संस्थाओं ने भी विद्यालयों का विकास करने का निर्णय लिया है। इसमें हुडको कंपनी ने कारपोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत जिले के 33 विद्यालयों का कायाकल्प करने का मन बनाया है। इसमें कंपनी 22 विद्यालयों पर स्टील का डेस्क व बेंच मुहैया कराएगी। इसके साथ ही 11 विद्यालयों पर स्मार्ट क्लास की भी सुविधा देगी।

भाजपा युवा मोर्चा ने किया नमो मतदाता सम्मेलन

संवाददाता—श्रावस्ती। भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नमो मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। भिनगा विधानसभा के शिवालिक महाविद्यालय में आयोजित नमो मतदाता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह मौजूद रहे।

वहीं श्रावस्ती विधानसभा के सरस्वती सिंह महाविद्यालय मैरिया में नमो मतदाता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी मौजूद रहे। जमुनहा क्षेत्र के गौरव पब्लिक स्कूल में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा और जगतजीत इंटर कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय मौजूद रहे। नमो मतदाता सम्मेलन में पूर्व जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुभाष सत्या, रमन सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा अंशुल यादव, सहित भारी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

नहीं निकली धूप, भीषण ठंड का प्रकोप नहीं हुआ कम

संवाददाता—श्रावस्ती। भीषण ठंड का प्रकोप गुरुवार को भी जारी रहा। न्यूनतम तापमान में सुधार जरूर हुआ लेकिन लोगों को ठंड से राहत नहीं मिली। दिन भर सूर्यदेव बादलों में छिपे रहे और लोग भी ठंड से बचने के लिए घरों में छिपे रहे। गुरुवार को न्यूनतम तापमान छह डिग्री और अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहा। ठंड से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। 22 दिन बाद मंगलवार को धूप से राहत जरूर दी थी लेकिन बुधवार को तापमान और अधिक नीचे गिर गया था। सुबह से घने कोहरे के बीच चली बर्फीली हवा ने ठंड को और बढ़ा दिया था। दिन भर सूर्यदेव बादलों में छिपे रहे और धूप न निकलने से गलन भरी ठंड का दौर जारी रहा। शाम होते ही कोहरा और घना हो गया। इसके कारण वाहनों को सड़क पर चलने में परेशानी हुई। रात में पांच मीटर से अधिक सड़क पर दिखाई नहीं पड़ा। रात भर फैले कोहरे का दौर गुरुवार सुबह भी जारी रहा। दिन भर बादल छाए रहे और धूप नहीं निकली। इसके कारण गलन भरी ठंड जारी रहा।

भारत का भाग्य लिखने में युवाओं की अहम भूमिका -पल्टूराम

संवाददाता—बलरामपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर गुरुवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर नमो नवमतदाता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग से प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों से संवाद किया। युवा मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान कराने की शपथ दिलाई गई। नव मतदाता सम्मेलन का आयोजन डीएवी इंटर कॉलेज के परिसर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि युवा देश का भविष्य है। देश का विकास तेजी के साथ हो रहा है, जिसमें सबसे ज्यादा भागीदार युवा हैं। भारत का भाग्य लिखने में युवाओं की अहम भूमिका है। जिला विद्यालय निरीक्षक गोविंद राम ने कहा कि युवा विशेष रूप से वोटर लिस्ट में अपना नाम जरूर शामिल कराएं। आने वाले चुनाव में कोई भी युवा मतदान से वंचित न रहने पाए। पूर्व जिला महामंत्री अजय सिंह पिंकू ने कहा कि किसी भी देश की तरक्की बिना युवाओं के भागीदारी से सम्भव नहीं हो सकती है। युवा देश को बदलने की ताकत रखता है। कार्यक्रम में मेजर हरि प्रकाश वर्मा, रेखा देवी, साधना पाण्डेय, डा. प्रांजल त्रिपाठी, युवा मोर्चा महामंत्री अक्षय शुक्ल, जयंत सिंह धर्मू, संत मणि, शिवम मौर्या, संदीप उपाध्याय, तरंग श्रीवास्तव, सिद्धार्थ साहू, अजीत ओझा, रजनीश पाण्डेय, युवराज सिंह, समीर शुक्ला व शौर्य मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इसी क्रम में तुलसीपुर स्थित स्वतंत्र भारत इंटर कॉलेज प्रांगण में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि आज देश का विकास युवाओं के लिए हो रहा है। युवा वर्ग सभी क्षेत्रों में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। चुनाव में युवाओं का मतदान निर्णायक होता है।

विराजमान रामलला के लिए हनुमानगढ़ी में प्रारंभ हुआ हनुमान चालीसा का पाठ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भव्य, दिव्य, नूतन मंदिर में श्रीरामलला सरकार के विराजमान होने की खुशी में इस समय देश ही नही अपितु पूरे विश्व में उत्सव मनाया जा रहा है। रामभक्त अपने—अपने तरीके से उत्सव— महोत्सव मना रहे हैं। इसी क्रम में धर्म सम्राट श्रीमहंत ज्ञान दास महाराज के भी पावन सानिध्य में वृहस्पतिवार को हनुमानगढ़ी में सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम हनुमानगढ़ी मंदिर में विराजमान बजरंगबली का पूजन—अर्चन, भोग, आरती की। उसके बाद 51 ब्राह्मणों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ शुरू किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास महाराज ने कहा कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर यह आयोजन शुरू हुआ है। जो 2 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान कुल सवा लाख हनुमान चालीसा का पाठ किया जायेगा। कुछ ब्राह्मण हनुमानगढ़ी मंदिर में और कुछ हनुमानगढ़ी इमली बगिया में हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। वहीं धार्मिक अनुष्ठान के आयोजक महंत रामदास महाराज ने कहा कि 2 फरवरी अर्थात नौ दिनों तक यह कार्यक्रम चलेगा, जिसके मुख्य यजमान हरियाणा के बलवान जी हैं। 51 ब्राह्मणों द्वारा सवा लाख हनुमान चालीसा का पाठ किया जायेगा। जो अखंड चलता रहेगा। पाठ का समय प्रतिदिन सुबह 8 बजे से लेकर रात्रि 8 बजे तक है। उसके बाद बजरंगबली की आरती होगी। इस मौके हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज के शिष्य व हनुमत संस्कृत विद्यालय प्राचार्य डॉ. महेश दास, हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास, फ्रांस से तुलसी देवी दास, पहलवान मनीराम दास आदि नागातीत मौजूद रहे।

रघुवंश अभिराम अमृत महोत्सव में सम्मानित हुए आंदोलन में हम भूमिका निभाने वाले

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा अवसर पर राजघाट बंधा स्थित बाबा अभिराम दास वेदांत शिक्षण—प्रशिक्षण विद्यापीठम एवं रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट संयुक्त तत्वाधान में नव दिवसीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का नाम रघुवंश अभिराम अमृत महोत्सव दिया गया था। जो 17 जनवरी को निर्वाणी अनी श्रीमहंत धर्मदास की अध्यक्षता में श्रीराम गौरव गाथा एवं श्रीरामजन्मभूमि उद्धारक नवरत्न पुरस्कार के रूप में आयोजित रहा। इस दौरान सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का पूजन और श्रीरामकथा का कार्यक्रम हुआ। महोत्सव के अंतिम दिन श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में महती भूमिका निभाने वाले कारसेवक संतोष दूबे व शहीद कारसेवक राजेंद्र धरिकार के भाई रवींद्र धरिकार को श्रीरामजन्मभूमि उद्धारक नवरत्न पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा कार्यक्रम के यजमान जय हनुमान सोनी राजस्थान को भी यह पुरस्कार मिला। रघुवंश अभिराम अमृत महोत्सव के आयोजक व रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष स्वामी दिलीप दास त्यागी महाराज ने बताया कि श्रीरामलला के विराजमान होने की खुशी में रघुवंश अभिराम अमृत महोत्सव मनाया गया। श्रीरामजन्मभूमि उद्धारक के रूप में बाबा अभिराम दास, महायोगी दिग्विजय नाथ, महंत अवैद्यनाथ, परमहंस रामचंद्र दास, स्वामी वामदेव, जगद्गुरु शिवरामाचार्य, अशोक सिंहल, ठा. गुरुदत्त सिंह, केके नैय्यर यह नवरत्न हैं। इनके नाम पर कारसेवक संतोष दूबे, शहीद कारसेवक के भाई रवींद्र धरिकार और जय हनुमान सोनी को नवरत्न पुरस्कार दिया गया है। शेष अन्य

छरू और लोगों को भी यह पुरस्कार दिया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीमहंत धर्मदास ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में गुरूदेव बाबा अभिराम दास महाराज नींव के पत्थर थे। भव्य मंदिर निर्माण से उनका सपना पूरा हुआ। ऐसे महापुरूष समय—समय पर इस धराधाम में अवतार लेते हैं। तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगद्गुरू परमहंसाचार्य ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि महा महोत्सव में बाबा अभिराम दास महाराज की सर्वाधिक भूमिका रही है। वह श्रीरामजन्मभूमि के उद्धारक थे।इस अवसर पर खड़ेश्वरी मंदिर के रसिकपीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण, महंत रामप्रकाश दास, खाकचौक के श्रीमहंत बृजमोहन दास, जगन्नाथ मंदिर महंत राघव दास, सरपंच महंत रामकुमार दास, भागवत विद्यापीठ के महंत नव्यन्यायाचार्य तुलसीदास, नागा नंदराम दास, नागा रामलखन दास, मामा दास, नागा सूरज दास, संत दास आदि संत—महंत एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

पौष पूर्णिमा के दिन श्रद्धालुओं ने नदियों में डुबकी लगाकर दान किया

संवाददाता—महराजगंज। पौष पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने नदियों में स्नान कर दान और सूर्य देव को अर्घ्य देकर विधि विधान से पूजा अर्चना किया। सीमावर्ती क्षेत्रों में डांडा नदी के हरदीडाली पुल के पास, दोमुहान घाट, बैरिहवा घाट और रोहणी नदी के श्यामकाट, रतनपुर, कल्याणपुर, सिरसिया घाट आदि नदियों में पौष पूर्णिमा के दिन बृहस्पतिवार सुबह लोगों ने स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देकर दान पुण्य किया। परमानंद शास्त्री ने बताया कि कहा जाता है की पूर्णिमा की तिथि चंद्रमा की प्रिय होती है। पौष पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान, दान और सूर्य देव को अर्घ्य देने का विधान है। साथ ही इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है धार्मिक मान्यता के अनुसार पौष पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान कर विधिपूर्वक भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करने से घर में खुशियों का आगमन होता है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती।

भ्रष्टाचार के आरोपित डीडीसी की जमानत खारिज

संवाददाता—गोरखपुर।

भ्रष्टाचार में आरोपित संतकबीरनगर जिले के डीडीसी न्यायालय के तत्कालीन पेशकार मुकेश कुमार यादव की जमानत अर्जी विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम प्रवीण कुमार सिंह ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए खारिज कर दी है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रमेश राम त्रिपाठी का कहना था कि शिकायतकर्ता गुलाम मुस्तफा के गांव में चकबंदी में चल रही थी। 31 मई 2022 को उसकी एक जमीन जोत चकबंदी की धारा 27 के तहत तैयार की गई और खतौनी में अंकित किया गया। 22 जून 2023 को शिकायतकर्ता के गांव के ही शमसुद्दीन ने उस जमीन पर आपत्ति दाखिल कर दिया। जिसका मुकदमा डीडीसी संतकबीर नगर न्यायालय में चल रहा है।

धार्मिक भावना भड़काने के मामले में आरोपित पर मुकदमा

संवाददाता—सिद्धार्थनगर।

शोहरतगढ़ कस्बे के एक युवक को सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद का फोटो लगाकर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करना भारी पड़ गया। शोहरतगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशरीन शर्मा की तहरीर पर शोहरतगढ़ पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध धार्मिक भावना भड़काने के आरोप में केस दर्ज कर आरोपित को हिरासत में ले लिया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम पर फैजल खान जो कि फैजल पठान नाम का है, उसने आपत्तिजनक व जनमानस की आस्था को ठेस पहुंचाने के लिए इंस्ट्राग्राम स्टोरी पर विवादित ढांचे की फोटो डालकर लिखा है कि सबर, जब वक्त हमारा आएगा तब सिर धड़ से अलग किए जाएंगे। उन्होंने साक्ष्य स्वरूप स्टोरी की छाया प्रति संलग्न करते हुए बताया कि इंस्ट्राग्राम पर यह स्टोरी 22 जनवरी को ही लगाकर आपसी भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश की गई है। इस स्टोरी को देखने से जनमानस में आक्रोश है। शिकायतकर्ता ने एसओ को बताया है कि आरोपित कस्बे के वार्ड नंबर 14 मां भारती नगर के समासद का भतीजा है। मंडल अध्यक्ष की तहरीर पर शोहरतगढ़ पुलिस ने आरोपित फैजल पठान के विरुद्ध समुदाय के बीच शत्रुता, घृणा पैदा करने की धारा आईपीसी 505 (2) व सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 के तहत धारा 67 में मुकदमा दर्ज किया है।

कृष्ण चन्द्र यादव
युवा भाजपा नेता
पूर्व प्रमुख प्रत्याशी
विकास खण्ड—नाथनगर
जनपद— संतकबीर नगर

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 C 201817000000043
अदालत—श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला—बस्ती
रामआसरे आदि
बनाम
भू0प्र0समिति खजुरिया कानूनगो आदि
1. भूमि प्रबन्धक समिति खजुरिया कानूनगो जरिये अध्यक्ष निवासी खजुरिया कानूनगो तप्पा सलहरा परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला—संतकबीरनगर
—उत्तरवादी प्रथम वर्ग
2. सजनलाल पुत्र घोलई 3/1 सदानन्द 3/2 ब्रहमान्द पुत्रगण स्व0 फागूलाल 4. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र रामहरख 5. परदेशी पुत्र घोलई 6. बिजय 7. दूबर पुत्रगण गंगालाल साकिनान मौजा खजुरिया कानूनगो तप्पा सलहरा परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला—संतकबीरनगर
—उत्तरवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 16—02—2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 379/2023
श्रीमती मालती देवी —सायल
1. श्रीमती मालती देवी उम्र लगभग 63 साल पत्नी रामकरन ग्राम महादेवा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रया जिला—बस्ती
तारीख पेशी 29—01—2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 29—01—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 919/2018
राजदेव
बनाम
रामअचल आदि
1. रामअचल 2. शिवशंकर 3. उदयशंकर पुत्रगण रामलाल साकिनान मौजा परसाहज्जाम तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती 4. लालमन पुत्र रामकृपाल साकिन मौजा परसाहज्जाम तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 17—02—2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

सूचना

मेरा नाम जीशान अहमद पुत्र खलील अहमद था। अब मुझे जीशान अहमद चौधरी पुत्र खलील अहमद चौधरी, ग्राम व पोस्ट तिलजा, थाना दुधारा, जिला संतकबीरनगर के नाम पते से जाना जाए।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com